हिन्दी विभाग

उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद

एम.ए. प्रथम वर्ष, पाठ्यक्रम

सेमिस्टर -1

कोर पेपर -I

हिन्दी साहित्य का इतिहास भाग-१

(आदिकाल, मध्यकाल एवं रीतिकाल)

इकाई -१	साहित्य का इतिहास दर्शन साहित्य के इतिहास लेखन की पद्धतियाँ साहित्य के इतिहास का काल विभाजन एवं नामंकरण हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा
इकाई -२	आदिकाल-आदिकालीन परिस्थितियाँ सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, धार्मिक सिद्ध एवं नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य, आरंभिक गद्य एवं लौकिक साहित्य अमीर खुसरो की हिन्दी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली, भाक्तिकाव्य की पूर्व पीठीका
इकाई -३	भक्तिकाल, भक्ति आंदोलन का उदय, सामाजिक सांस्कृतिक कारण, भक्तिकाल सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठ भूमि, प्रमुख निर्गुण सगुण सम्प्रदाय, अलवार संत प्रमुख सम्प्रदाय
इकाई -४	संत काव्य का वैचारिक आधार, प्रमुख निर्गुण संत कवि कबीर, नानक, रैदास अन्य संत काव्य की विशेषताएँ हिन्दी सुफी काव्य का वैचारिक आधार हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य, मुल्लादाउद, कुतुबन, जायसी व अन्य सूफी प्रेमाख्यानों का स्वरूप
इकाई -५	हिन्दी कृष्णकाव्य :- विविध संप्रदाय, वल्लभ संप्रदाय, निम्बार्क संप्रदाय, राधा वल्लभ संप्रदाय, सखी संप्रदाय व अन्य हिन्दी राम काव्य :- विविध संप्रदाय, रामभक्ति शाखा के कवि और उनका काव्य तुलसी व अन्य रीतिकाल :- सामाजिक सांस्कृतिक परीप्रेक्ष्य, रीतिकवियों का आचार्यात्व, रीतिमुक्त काव्य धारा, रीतिकाल के प्रमुख कवि केशव, बिहारी, घनानन्द व अन्य

संदर्भ ग्रंथ

१. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, वारानासी

२. हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी ग्रंथ रत्नाकर, मुंबई

३. हिन्दी साहित्य का इतिहास : संपादक डॉ.नगेन्द्र नैशनल पब्लिशिंग हॉउस, नई दिल्ली

४. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

५. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ.विजयेंद्र सनातक, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली

६. साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पांडे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

७. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ.गणपति चंद्रगुप्त, लोक भारती प्रकाशन, नई दिल्ली

८. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ.बच्चन सिंह राधा कृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

हिन्दी विभाग

उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद

एम.ए. प्रथम वर्ष, पाठ्यक्रम

सेमिस्टर -1

कोर पेपर -II

हिन्दी का प्राचीन एवं मध्यकालिन काव्य

इकाई -१	कबीर :- साखी पद -१० सदगुरू की महिमा को अंग, सुमिरन भजन महिमा को अंग, साधु महिमा को अंग, दिनता विनता को अंग, तुसलीदास :- विनय पत्रिका १३७ से १४६ पद सूरदास :- भ्रमरगीत सार - पहले ५ पद बिहारी :- बिहारी नवनीत(संपादक एम.के जैन) पद संख्याः १,६,७,८,१०,११,१३,१५,१८,२०, घनानन्द :- पहले ५ पद (नागरी प्रचारणी सभा) रसखान :- पहले ५ पद (नागरी प्रचारणी सभा)
इकाई -२	कबीर :- आलोचनात्मक एवं विस्तृत अध्ययन तुलसीदास :- आलोचनात्मक एवं विस्तृत अध्ययन
इकाई -३	बिहारी :- आलोचनात्मक एवं विस्तृत अध्ययन घनानन्द :- आलोचनात्मक एवं विस्तृत अध्ययन
इकाई -४	सूरदास :- आलोचनात्मक एवं विस्तृत अध्ययन रसखान :- आलोचनात्मक एवं विस्तृत अध्ययन
इकाई -५	मलिक मोहम्मद जायसी :- आलोचनात्मक अध्ययन मीरा बाई :- आलोचनात्मक अध्ययन

संदर्भ ग्रंथ

१. भक्ति का सामाजिक दर्शन - प्रेम शंकर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
२. जायसी और उनका काव्य - डॉ.इकबाल अहमद, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज
३. पद्मावत का अनुशीलन - इंद्रचंद्र नागर, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज
४. कबीर मिमांसा - डॉ.रामचंद्र शुक्ल, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज
५. तुलसी की साहित्य साधना - ललन राय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
६. भक्ति काव्य और लोक जीवन - शिवकुमार मिश्र,वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
७. सूदरदास - हरभानलाल शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
८. तुलसीदास - विश्वनाथ तिवारी, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज
९. जायसी एक नयी दृष्टि - डॉ.रघुवंश, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज
१०. सूरसागर में अंतरकथाएँ : एक अनुशीलन - डॉ.शुभदा वाजपे, मिलन्द प्रकाशन, हैदराबाद
११. घनानन्द का काव्य - डॉ.रामदेवशुक्ल, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज
१२. घनानन्द की काव्य साधना - सभापति मिश्र, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली
१३. बिहारी का नव्य मूल्यांकन - डॉ.बच्चन सिंह लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज
१४. बिहारी सतसई : सांस्कृतिक सामाजिक संबंध - डॉ.विजेन्द्र कुमार सिंह लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज
१५. मीरा का काव्य - विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
१६. भक्ति काव्य यात्रा (कबीर-जायसी-सूर-तुलसी-मीरा के संदर्भ में) लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज
१७. रीतिकालीन भारतीय समाज - डॉ.शशी प्रभा प्रसाद, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज
१८. रीतिकालीन काव्य में भक्तितत्व - डॉ.उषापुरी - नैशनल पब्लिशिंग हॉउस, नई दिल्ली
१९. मीरा काव्य में गीती काव्य तत्व विवेचन - माधुरीनाथ, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली

हिन्दी विभाग

उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद

एम.ए. प्रथम वर्ष, पाठ्यक्रम

सेमिस्टर -1

कोर पेपर -III

हिन्दी गद्य साहित्य

इकाई -१	निबंध साहित्य आचार्य रामचंद्र शुक्ल - उत्साह, श्रद्धा और भक्ति बालकृष्ण भट - बातचीत, हजारी प्रसाद द्विवेदी - अशोक के फूल
इकाई -२	कहानी साहित्य मन्नू भण्डारी - यही सच है। प्रेमचन्द - दुनिया का अनमोल रतन चंद्रधर शर्मा गुलेरी - उसने कहा था। जयप्रकाश कर्दम - तलाश हरिशंकर परसाई - दो नाक वाले लोग
इकाई -३	उपन्यास साहित्य प्रेमचन्द - गोदान
इकाई -४	गोदान के संदर्भ में प्रेमचंद के उपन्यास साहित्य का विस्तृत अध्ययन नाटक साहित्य जयशंकर प्रसाद - स्कंदगुप्त भारतेंदु हरिशचंद - अंधेर नगरी
इकाई -५	अन्य गद्य विधाएँ आत्मकथा, जीवनी साहित्य, संस्मरण साहित्य, रेखा चित्र, व्यंग्य साहित्य, रिपोतार्च आदि

संदर्भ ग्रंथ

१. अशोक के फूल - हजारी प्रसाद द्विवेदी, लोक भारती प्रकाशन, प्रायगराज

२. निबंधों की दुनिया - बालकृष्ण भट, प्रधान संपादक निर्मल जैन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

३. यही सच है - मन्नू भण्डारी, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली

४. दो नाक वाले लोग - हरिशंकर परसाई, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

५. मानसरोवर - प्रेमचंद, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली

६. अंधेर नगरी - भारतेंदु हरिशचंद्र, संपादक डॉ.परमानन्द श्रीवास्तव, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज

७. चिंतामणी भाग १ - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोक भारती प्रकाशन, प्रायगराज

८. उपन्यास साहित्य में गोदान - प्रेमचंद, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

९. हिन्दी गद्य साहित्य का विन्यास एवं विकास - राम स्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, प्रायगराज

१०. आचार्या रामचंद्र शुक्ल एवं हिन्दी आलोचना - डॉ.राम विलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

हिन्दी विभाग

उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद

एम.ए. प्रथम वर्ष,पाठ्यक्रम

सेमिस्टर -1

कोर पेपर -IV

भारतीय साहित्य

इकाई -१	भारतीय साहित्य की अवधारणा और स्वरूप भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ वैदिक एवं उपनिषद साहित्य भारतीय साहित्य के उपजीव्य ग्रंथ १.वालमीकि रामायण, २.महाभारत, ३. श्रीमद भागवत,
इकाई -२	आधुनिक भारतीय साहित्य नवजागरण कालीन भारतीय साहित्य नवजागरण कालीन सामाजिक आंदोलन, राजा राममोहन राय, दयानन्द सरस्वती आदि
	आधुनिक भारतीय काव्य की राष्ट्रीय काव्य धारा स्वच्छंदतावाद वादी एवं प्रगतिवादी प्रवृत्तियाँ
इकाई -३	हिन्दीत्तर नाटक बोई भीमन्ना - पालेरूदास गिरिश कर्नाड़ - हयावदान विजय तेंडुलकर - घांसीराम कोतवाल
इकाई -४	हिन्दीत्तर कथा साहित्य महाश्वेता देवी - जंगल के दावेदार डॉ.जी.वी.रत्नाकर अब्बूराम का बाग
इकाई -५	हिन्दीत्तर आत्मकथा लक्ष्मण गायकवाड - उठाईगीर

संदर्भ ग्रंथ

१. भारतीय साहित्य - संपादक - डॉ.नगेन्द्र, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली

२. भारतीय साहित्य की भूमिका - डॉ.रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

३. आस्था के चरण भाग १, भाग २ -डॉ.नगेन्द्र, नैशनल प्रकाशन हॉउस, नई दिल्ली

४. भारतीय पुनर्जगरण के सामाजिक प्रभाव - विमल आचार्या, के.एल.पुचौरी प्रकाशन, गाजिया बाद

५. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण - डॉ.रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

६. पद्माभूषण डॉ.बोई भीमन्ना - जल रही झोपडियाँ, अनुवादक डॉ.जी.वी.रत्नाकर गीता पुस्तक केंद्र, हैदराबाद

७. विजय तेंडुलकर - घांसीराम कोतवाल, अनुवादक - दमोदर खडसे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

८. श्रेष्ठ दलित कहानियाँ - डॉ.जी.वी.रत्नाकर गीता पुस्तक केंद्र, हैदराबाद

९. लक्ष्मण गायकवाड उठाईगीर - अनुवादक - सूर्यनारायण रणसुभे, साहित्य अकादमी, दिल्ली

१०. जंगल के दावेदार - महाश्वेता देवी -राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

११. गिरिश कर्नाड - हयावदान - अनुवादक - गिरिश कर्नाड, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

Code No. D-1971

- FACULTY OF ARTS

MA. II SEMISTER EXAMINATION
August/September 2022
Pape –III Adhunik Sahitya Ka Itihas[Aadhunik Kaal]

समय: 3 घण्टे अंक- 80

NOTE: खण्ड 'क' और 'ख' के सभी प्रश्नों के उत्तर सूचनानुसार लिखिए।

खण्ड 'क'

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए:- 5x4 =20

1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के व्यक्तित्व व कृतित्व का परिचय दीजिए।

2. द्विवेदीयुगीन कवियों का परिचय दीजिए।

3. छायावाद के किसी एक प्रतिनिधि कवि का परिचय दीजिए।

4. प्रयोगवाद की काव्यगत विशेषताएं बताइए।

5. उपन्यास और कहानी के अंतर को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड 'ख'

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सविस्तार लिखिए:- 5X10=50

6.[अ] भारतेन्दुयुगीन काव्य की विशेषताओं का विस्तृत विवेचन कीजिए।

अथवा

[आ] द्विवेदी युग की प्रमुख प्रवृत्तियों को स्पष्ट कीजिए।

7.[अ] छायावाद की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

[आ] छायावाद की परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए छायावादी कवियों का परिचय दीजिए।

8.[अ] प्रगतिवादी काव्य धारा की विशेषताएं लिखिए।

अथवा

[आ] समकालीन कविता की विशेषताएं लिखिए।

9.[अ] हिंदी गद्य के उद्भव और विकास पर एक लेख लिखिए।

अथवा

[आ] नई कविता की प्रमुख विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

10.[अ] हिंदी आलोचना के विकास पर लेख लिखिए।

अथवा

[आ] हिंदी एकांकी की विकास यात्रा पर प्रकाश डालिए।